भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या 1941

सोमवार, 7 अगस्त, 2023 (श्रावण 16, 1945 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

<u>हवाई यातायात का प्रबंधन</u>

1941. श्री मोहम्मद नदीमुल हक:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विगत पांच वर्षों में हवाई यातायात में वृद्धि हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या जी-20 सम्मेलन के कारण हवाई यातायात में वृद्धि होने का अनुमान है, यदि हां, तो इसके लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से विकसित की जा रही स्वदेशी हवाई यातायात प्रबंधन (एटीएम) प्रणाली की वर्तमान स्थिति और बजटीय आवंटन क्या है; और

(घ) उड़ान योजना की वर्तमान स्थिति विशेष रूप से, पश्चिमी बंगाल और पूर्वोतर क्षेत्र में क्या है?

<u>उत्तर</u>

<u>नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))</u>

(क): पिछले पांच वर्ष के दौरान हवाई यातायात का विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	विमानों की आवाजाही (हजार में)
2018-19	2879.05
2019-20	2850.45
2020-21	1433.80
2021-22	2062.56
2022-23	2757.74

(ख): जी हाँ, प्राप्त जानकारी के अनुसार, जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए लगभग 50 विशेष विमानों के आने की उम्मीद है। यातायात में होने वाली इस वृद्धि को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम कर लिए गए हैं।

(ग): मई, 2022 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के बीच हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन के अनुसार, स्वदेशी एटीएम ऑटोमेशन

सिस्टम के विकास हेतु भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को 14.9 करोड़ रुपये का अनुमोदन दिया गया है। बीईएल ने अप्रैल, 2023 में भुवनेश्वर हवाईअड्डे पर संपूर्ण हार्डवेयर स्थापित कर दिया है। कैट-डी हवाईअड्डों के लिए अपेक्षित, सॉफ़्टवेयर कार्यात्मकता (software functionality) का विकास, बीईएल द्वारा किया गया है। विस्तृत परीक्षण का एक दौर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के नियंत्रकों द्वारा चलाया गया है।

(घ): उड़ान योजना के तहत, पश्चिम बंगाल, दुर्गापुर और कूच बेहर के हवाईअड्डों को 32 आरसीएस मार्गों से जोड़ते हुए इनसे प्रचालन आरंभ किया गया है। उड़ान योजना के तहत, पूर्वोत्तर क्षेत्रो में 10 हवाईअड्डों, नामतः रूपसी, तेजू, पासीघाट, जोरहाट, लीलाबारी, शिलांग, होलोंगी, तेजपुर, पाक्योंग और दीमापुर को जोड़ते हुए अब तक 66 मार्गों पर प्रचालन आरंभ किया गया है।

****